



वित्त मंत्रालय
MINISTRY OF
FINANCE

सत्यमेव जयते



भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर ने बैंकर्स क्लब, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित साइबर सुरक्षा जागरूकता वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई

बैंकर्स क्लब, चंडीगढ़ द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता पर वॉकथॉन का सफल आयोजन

समय पर सूचना देने से धोखाधड़ी के मामलों में धन वापसी सुनिश्चित : डिप्टी गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक 'देखो, छूओ और महसूस करो' से असली व नकली नोटों का करें सत्यापन: डिप्टी गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक

डिजिटल भुगतान बढ़ने से नकदी का उपयोग हुआ कम : डिप्टी गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक

देश में नकली मुद्रा का प्रचलन बहुत कम : डिप्टी गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक

चंडीगढ़, 31 अगस्त: बैंकर्स क्लब, चंडीगढ़ ने 31 अगस्त, 2025 को सुखना झील पर साइबर सुरक्षा जागरूकता पर एक वॉकथॉन का आयोजन किया। वॉकथॉन को भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर श्री एम. राजेश्वर राव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बैंकर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सुरक्षित बैंकिंग तथा जिम्मेदार डिजिटल प्रथाओं के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु एक साथ आए।





अपने संबोधन में, डिप्टी गवर्नर श्री राजेश्वर राव ने इस बात पर ज़ोर दिया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म सहित बैंकिंग सेवाएँ जनता की सुविधा के लिए बनाई गई हैं और इनका उपयोग ज़िम्मेदारी से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरबीआई के ऑनलाइन अभियानों के साथ-साथ इस तरह की भौतिक पहल जागरूकता फैलाने में अत्यधिक प्रभावी हैं। उन्होंने आगे बताया कि आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि ग्राहक की कोई गलती नहीं है और वह तुरंत धोखाधड़ी की सूचना देता है, तो उसका पैसा तुरंत वापिस सकता है — लेकिन सतर्कता और समय पर सूचना देना ज़रूरी है। श्री राव ने आगे कहा कि हालाँकि नकली मुद्रा का प्रचलन न्यूनतम है, फिर भी जनता को नोटों की पुष्टि के लिए "देखो, छूओ और महसूस करो" पद्धति का उपयोग जारी रखना चाहिए। डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन के साथ, नकदी पर निर्भरता कम हो रही है, जिससे सुरक्षित और अधिक सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित हो रहा है। उन्होंने बैंकिंग जगत को इस तरह के आउटरीच अभियानों के माध्यम से साइबर सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए बधाई दी।

वॉकथॉन में शामिल लोगों ने प्लेकार्ड और नारेबाज़ी के ज़रिये साइबर सुरक्षा, डिजिटल स्वच्छता और ज़िम्मेदार डिजिटल प्रथाओं पर जोर दिया। इस पहल का उद्देश्य आज के डिजिटल युग में सुरक्षित बैंकिंग प्रथाओं के बारे में जन-जागरूकता को मज़बूत करना था।

इस अवसर पर, बैंकर्स क्लब के अध्यक्ष श्री विवेक श्रीवास्तव ने ज़बरदस्त प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, "इस वॉकथॉन ने हमारे दैनिक जीवन में साइबर सुरक्षा के महत्व पर एक मज़बूत संदेश दिया है।"

इस कार्यक्रम में भारतीय रिज़र्व बैंक के कार्यकारी निदेशकों के साथ-साथ नावार्ड (हरियाणा) के मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती निवेदिता तिवारी; नावार्ड (पंजाब) की मुख्य महाप्रबंधक श्री विनोद कुमार आर्य; भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक श्री कृष्ण शर्मा; पंजाब नेशनल बैंक के महाप्रबंधक श्री ललित तनेजा; और कई अन्य संस्थानों के क्षेत्रीय प्रबंधक भी शामिल हुए।

बैंकर्स क्लब चंडीगढ़ के वरिष्ठ बैंकरों का एक मंच है और इसमें आरबीआई, नाबार्ड, एसबीआई, पीएनबी, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और अन्य बैंकों के सदस्य शामिल हैं, जिनका प्रतिनिधित्व उप-महाप्रबंधक स्तर और उससे ऊपर के वरिष्ठ अधिकारी करते हैं।

इस पहल के साथ, बैंकर्स क्लब, चंडीगढ़ ने पहली बार एक सार्वजनिक कार्यक्रम के रूप में अपनी शुरुआत की है। ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर वरिष्ठ बैंकरों की सामूहिक उपस्थिति साइबर खतरों से निपटने के उनके एकजुट संकल्प को दर्शाती है और सुरक्षित बैंकिंग को बढ़ावा देने में ग्राहकों के साथ उनकी एकजुटता को पुष्ट करती है।

सतर्क रहें, धोखाधड़ी की सूचना 1930 पर दें।

पीआईबी चंडीगढ़: शीनम/रूस